MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2010 और जनवरी 2011 सत्र के सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द-सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण :

टिप्पणीः एम.ए. प्रथम वर्ष में उपलब्ध सभी चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल हैं। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए-011, एम.पी.ए-012, एम.पी.ए-013 और एम.पी.ए-014 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए)	जुलाई 2010 सत्र के लिए 31 मार्च 2011 जनवरी 2011 सत्र के लिए 30 सितंबर 2011	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह देख लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई.वायुनंदन
और
प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए-011 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-011
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-011/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2010-11

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. समाज-प्रशासन संबंधों पर मैक्स वेबर के विचारों का विश्लेषण कीजिए।
2. "राज्य के स्वरूप को समझने में उदारवादी और मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य बहुत महत्वपूर्ण हैं।" व्याख्या कीजिए।
3. राजतंत्र के "स्वराज" मॉडल के बारे में गांधी जी के विचारों की चर्चा कीजिए।
4. "प्रशासन को सुधारने संबंधी संस्थागत युक्तियों का विकासशील देशों के संदर्भ में विशेष महत्व हैं।" व्याख्या कीजिए।
5. सामाजिक समानता के बदलते प्रतिमान के रूप में "सहभागिता" पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग-II

6. नीति निर्माण में नौकरशाही की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
7. सुशासन के महत्व और विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।
8. विधायिका में सुधार लाने के विभिन्न तरीके कौन-से हैं?
9. ""शासन" और "विकास" के लिए नागरिक समाज के महत्व को कम नहीं माना जा सकता।" चर्चा कीजिए।
10. नैतिक जवाबदेयता की ओर आने वाली विभिन्न बाधाओं का उल्लेख कीजिए।

एम.पी.ए-012 : प्रशासनिक सिद्धांत
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-012
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-012/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2010-11

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. प्रशासन, संगठन और प्रबंधन को परिभाषित कीजिए। सार्वजनिक और निजी प्रशासन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
2. वैज्ञानिक प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? वैज्ञानिक प्रबंधन के सिद्धांतों की चर्चा कीजिए।
3. मैक्स वेबर के प्रभुत्व के सिद्धांत (Theory on domination) और विधिक-तार्किक नौकरशाही (अधिकारी तंत्र) की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
4. मानव संबंधों और शास्त्रीय उपागम में अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. मानव व्यक्तित्व के बारे में क्रिस अर्गिरिस (Chris Argyris) के विचारों और संगठन की कार्यशीलता पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

भाग-II

6. अब्राहम मैस्लो और फ्रेडेरिक हेजबर्ग के अभिप्रेरण सिद्धांतों का संगठनात्मक प्रक्रिया पर प्रभाव की चर्चा कीजिए।
7. अधिगम संगठन (learning organisation) से आप क्या समझते हैं? अधिगम संगठन के संचालन की चर्चा कीजिए।
8. संगठनात्मक संस्कृति क्या है? संगठन संस्कृति के प्रकारों की चर्चा कीजिए।
9. लोक चयन से आप क्या समझते हैं? इसकी प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?
10. नव-लोक प्रशासन की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

एम.पी.ए-013 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-013
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-013/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2010-11

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और इसके स्वरूप का विवेचन कीजिए।
2. भारतीय सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन को संचालित करने वाले सांविधानिक परिवेश की चर्चा कीजिए।
3. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (Information and Communication Technology -- ICT) की भूमिका का वर्णन कीजिए और इसके अनुप्रयोग की समस्याओं का उल्लेख कीजिए।
4. शासन (governance) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। शासन के संदर्भ में नौकरशाही और राजनीतिक कार्यपालिका के बीच बदलते संबंधों का विश्लेषण कीजिए।
5. भारत के संविधान में विचार किए गए अंतर्सरकारी संबंधों के महत्वपूर्ण आयामों पर प्रकाश डालिए।

भाग-II

6. बजट के विधायन की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।
7. सामरिक प्रबंधन की प्रकिया के चार चरणों की चर्चा कीजिए।
8. क्रोएनके द्वारा बताए गए सूचना प्रणाली के प्रकारों की व्याख्या कीजिए।
9. उत्तरदायित्व की अवधारणा के बदलते परिप्रेक्ष्य की चर्चा कीजिए।
10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10
    (क) सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की विशेषताएँ
    (ख) सार्वजनिक-निजी सहभागिता (Public-Private Partnership)

एम.पी.ए-014 : मानव संसाधन प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-014
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-011/ए.एस.टी.(टी.एम.ए-1)/2010-11

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. मानव संसाधन विकास को परिभाषित कीजिए और इसकी प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
2. सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन के विभिन्न मॉडलों की चर्चा कीजिए।
3. कार्य-विश्लेषण को परिभाषित कीजिए और कार्य संवृद्धि (Job Enlargement) और कार्य अभिवृद्धि (Job Enrichment) की चर्चा कीजिए।
4. "कार्य-निष्पादन प्रबंधन एक परिणामोन्मुखी क्रिया है।" चर्चा कीजिए।
5. "कार्य के दौरान" (On the Job)" प्रशिक्षण और "कार्य के अन्यथा समय में" (Off the Job) प्रशिक्षण पद्धतियों की चर्चा कीजिए।

भाग-II

6. प्रबंधन विकास को परिभाषित कीजिए तथा इसके उपागमों पर प्रकाश डालिए।
7. गुणवत्ता को परिभाषित कीजिए और समग्र गुणवत्ता प्रबंधन तथा पारंपरिक प्रबंधन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
8. सामूहिक सौदेबाजी के अनिवार्य तत्वों, उद्देश्यों और विधि की चर्चा कीजिए।
9. शिकायत को परिभाषित कीजिए और विवाद सुलझाने के तरीकों की चर्चा कीजिए।
10. तनाव को परिभाषित कीजिए और इसके स्रोतों तथा परिणामों की व्याख्या कीजिए।